

फैकल्टी के लिए जरूरी होगी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● देशभर के इंजीनियरिंग कॉलेजों में फैकल्टी बनने के लिए अब



महीनेभर की इंडस्ट्रियल और इंस्टीट्यूट ट्रेनिंग जरूरी होगी। ये ट्रेनिंग 15-15 दिन की होगी। जिसमें 15 दिन इंडस्ट्री की ट्रेनिंग और 15 दिन

की इंस्टीट्यूट ट्रेनिंग करना अनिवार्य होगा। इसके बाद ही किसी कॉलेज में किसी भी पद पर फैकल्टी बनने के लिए आवेदन कर सकेंगे। ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्नीकल एजुकेशन

(एआईसीटीई) ने टीचर्स के लिए सेवेंथ पे रिवीजन कमेटी में इसे शामिल कर मिनिमम क्राइटेरिया के साथ इसे अनिवार्य रूप से जोड़ा है। बुधवार को एआईसीटीई यूकेरी वर्कशॉप का उद्घाटन करने आए वाइस चेयरमैन प्रो.एम.पी.पूनिया ने पत्रिका प्लस से खास बातचीत में कहा कि इसका मकसद ऐसे टीचर तैयार करना है जिन्हें लेटेस्ट टेक्नोलॉजी की जानकारी हो। इसलिए कॉलेजों में क्वालिटी टीचिंग को बढ़ावा देने के लिए इस ट्रेनिंग को मंडेट करने का फैसला लिया गया है। हालांकि प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर जैसे पदों के लिए मिनिमम एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया में बहुत बदलाव नहीं किया गया है।